CHETANA
International Journal of Education (CIJE)
Peer Reviewed/Refereed Journal
ISSN : 2455-8279 (E)/2231-3613 (P)
Impact Factor
SJIF 2025-8.445

Prof. A.P. Sharma
Founder Editor, CIJE
(25.12.1932 - 09.01.2019)

उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों में समायोजन एवं उपलब्धि अभिप्रेरणा का विश्लेषण

कैलाश चंद मीना
पी-एच.डी. शोधार्थी
डॉ. शशि रंजन
सहायक प्रोफेसर
शिक्षा विभाग, तीर्थंकर महावीर विश्वविद्यालय, मुरादाबाद, उत्तरप्रदेश
Email: kcmaxu@gmail.com, shashikroy@gmail.com, Mobile-8340619649

First draft received: 15.11.2025, Reviewed: 18.11.2025
Final proof received: 21.11.2025, Accepted: 28.11.2025

सारांश

प्रस्तुत शोध अध्ययन का उद्देश्य उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों में समायोजन और उपलब्धि अभिप्रेरणा के स्तर का आकलन करना है। समायोजन को गृह, विद्यालय, सामाजिक और भावनात्मक आयामों में परिभाषित किया गया है, जबकि उपलब्धि अभिप्रेरणा को सफलता प्राप्त करने और व्यक्तिगत उत्कृष्टता हासिल करने की प्रवृत्ति के रूप में देखा गया है। इस शोध कार्य में दिल्ली के १६ शैक्षिक जिलों से बहु-स्तरीय स्तरीकृत यादृच्छिक प्रतिदर्शन विधि द्वारा ४२९ विद्यार्थियों का चयन किया गया। आंकड़ों के संकलन हेतु डॉ. आशुतोष कुमार की सामाजिक समायोजन मापनी और प्रो. प्रतिभा देव एवं डॉ. आशा मोहन की उपलब्धि अभिप्रेरणा मापनी का प्रयोग किया गया। विश्लेषण से स्पष्ट होता है कि जिन विद्यार्थियों का समायोजन स्तर उच्च है, उनकी उपलब्धि अभिप्रेरणा भी अधिक है।

मुख्य शब्द: *समायोजन, उपलब्धि, अभिप्रेरणा युवा सहभागिता राष्ट्रीय शिक्षा नीति, नवाचारी शैक्षिक दृष्टिकोण, उच्च शिक्षा आदि.*

परिचय

शिक्षा किसी देश के सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक विकास के लिए एक शक्तिशाली साधन है। ज्ञान ही शक्ति है और शिक्षा हमें महानता की ओर ले जाने वाली कड़ी है। शिक्षा प्रणाली व्यक्तियों को समाज में उनकी भूमिका के लिए तैयार करती है। यह किशोरों की आत्म-धारणा को आकार देती है और उनके भविष्य में भागीदारी की नींव देती है, जो केवल कार्यस्थल तक सीमित नहीं है। विद्यालय शिक्षा का एक प्रमुख औपचारिक संस्थान है जो विद्यार्थियों की आदतों, विचारों और दृष्टिकोणों को ढालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। विद्यालय घर के बाहर पहला ऐसा वातावरण है जो विद्यार्थियों को सीखने, क्षमताएँ बढ़ाने और सम्मान व प्रशंसा प्राप्त करने के अवसर देता है। विद्यालय में प्राप्त शिक्षा विद्यार्थियों को संतुलित व्यक्तित्व, शारीरिक मजबूती, मानसिक सतर्कता,

भावनात्मक स्थिरता, सांस्कृतिक समझ और सामाजिक दक्षता विकसित करने में मदद करती है। यह वह स्थान है जहाँ विद्यार्थी बचपन से परिपक्वता की ओर बढ़ते और सीखते हैं। इसलिए, विद्यालयी शिक्षा किसी राष्ट्र के नागरिकों के लिए मानव संसाधन के सर्वश्रेष्ठ उपयोग और विकास के लिए आवश्यक मानी जाती है।

वर्तमान शिक्षा प्रणाली प्रतिस्पर्धा और तुलना को बढ़ावा देने के कारण बहुत तनाव उत्पन्न करती है। आधुनिक युग में शिक्षा के व्यावसायीकरण पर जोर बढ़ा है और यह आवश्यकता बनता जा रहा है। जहाँ तक शिक्षा और रोजगार का सवाल है, नौकरी बाजार में कड़ी प्रतिस्पर्धा है जहाँ पेशेवर शिक्षा, कौशल और अन्य व्यक्तित्व गुण निर्णायक भूमिका निभाते हैं, विशेषकर युवा और नवागंतुकों के बीच।

शिक्षा हमें यह निर्धारित करने में सहायता करती है कि हमारे जीवन के लिए क्या सही और क्या गलत है। आज की प्रतिस्पर्धी दुनिया में शिक्षा भोजन, वस्त्र और आवास की तरह हर व्यक्ति की आवश्यकता है। शिक्षा आदतों, नैतिकता और आतंकवाद, भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों के प्रति जागरूकता पैदा करने का एकमात्र साधन है। यह व्यक्ति को उसकी प्राकृतिक क्षमताओं, पर्यावरण और समाज के नियमों-कानूनों से जोड़कर रखती है। केवल शिक्षा के माध्यम से ही व्यक्ति सत्ता की गलतियों या लापरवाही पर प्रश्न उठा सकता है। तभी कोई नागरिक अपने नागरिक अधिकारों का प्रयोग कर संरचनात्मक सुधारों की माँग कर सकता है। जब कोई नागरिक अपनी सरकार की नीतियों के बारे में सूचित होता है तभी वह परिवर्तन का समर्थन या विरोध कर सकता है। लोग तभी समग्र रूप से उन्नति ला सकते हैं जब वे समझते हैं कि मानवता के कल्याण के लिए क्या सुधार

आवश्यक हैं। शिक्षा समझ को सुगम बनाती है; यह व्यक्ति को अपनी संभावनाओं और गुणों का एहसास कराती है और जन्मजात प्रतिभा के विकास में मदद करती है।

सम्बंधित साहित्य की समीक्षा

यादव एवं मेघवाल (२०२५) ने अपने शोध कार्य में सरकारी एवं गैर-सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों के विद्यालय वातावरण, उपलब्धि अभिप्रेरणा और समायोजन व्यवहार का तुलनात्मक विश्लेषण प्रस्तुत करता है। अध्ययन में 800 विद्यार्थियों पर स्वतंत्र न्यादर्श t-परीक्षण का प्रयोग किया गया और निष्कर्षों से स्पष्ट हुआ कि विद्यालय का प्रकार विद्यार्थियों के अनुभवों, प्रेरणा और समायोजन पर सार्थक प्रभाव डालता है। सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थी सामाजिक समायोजन में श्रेष्ठ पाए गए, जबकि निजी विद्यालयों के विद्यार्थी शैक्षिक एवं भावनात्मक समायोजन तथा उपलब्धि उन्मुख मानसिकता में आगे रहे। यह अध्ययन शिक्षा-नीति और विद्यालय प्रबंधन के लिए उपयोगी दिशा-निर्देश प्रदान करता है।

कुमार (२०२३) ने अपने शोध कार्य में माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर समायोजन के प्रभाव का विश्लेषण प्रस्तुत किया है। उत्तर प्रदेश के रामपुर जिले के 400 विद्यार्थियों पर किए गए अध्ययन में पाया गया कि सरकारी और गैर-सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि एवं समायोजन में सार्थक अंतर है। परिणामों से यह स्पष्ट होता है कि बेहतर समायोजन वाले विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि अधिक होती है।

सिंह एवं मिश्रा (२०२१) ने अपने शोध कार्य में रीवा जिले के माध्यमिक स्तर के छात्र-छात्राओं के बीच उपलब्धि अभिप्रेरणा का तुलनात्मक अध्ययन प्रस्तुत किया है। 600 विद्यार्थियों पर किए गए सर्वेक्षण में पाया गया कि छात्र और छात्राओं के बीच उपलब्धि अभिप्रेरणा में सार्थक अंतर है, साथ ही शहरी और ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों में भी उल्लेखनीय भिन्नता पायी गयी।

सिंह एवं कुंवर (२०२०) ने अपने शोध कार्य में किशोरावस्था में शालेय उपलब्धि अभिप्रेरणा पर समायोजन के प्रभाव का विश्लेषण प्रस्तुत करता है। फैज़ाबाद जिले के 400 विद्यार्थियों पर किए गए इस शोध में शासकीय और अशासकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों की तुलना की गई। परिणामों से यह स्पष्ट होता है कि समायोजन का स्तर विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि अभिप्रेरणा को प्रभावित करता है और उच्च समायोजन वाले विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा अधिक पाई गई।

भार्गव एवं भारद्वाज (२०१८) ने अपने शोध कार्य में उच्च माध्यमिक स्तर के 500 विद्यार्थियों पर किया गया, जिसमें उपलब्धि अभिप्रेरणा और समायोजन के मध्य संबंध का विश्लेषण किया गया। परिणामों से यह स्पष्ट होता है कि उपलब्धि अभिप्रेरणा विद्यार्थियों के समायोजन को सार्थक और उच्च धनात्मक रूप से प्रभावित करती है। प्रतिगमन विश्लेषण से ज्ञात होता है कि यह प्रभाव बालक और बालिका दोनों में समान रूप से विद्यमान है।

शोध का औचित्य

उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के संदर्भ में समायोजन और उपलब्धि-प्रेरणा के परस्पर सम्बन्धों का व्यवस्थित अध्ययन अत्यंत आवश्यक है क्योंकि यह चरण शैक्षिक, सामाजिक और भावनात्मक रूप से निर्णायक परिवर्तन का समय होता है और इसी अवधि में विद्यार्थी अपने दीर्घकालिक शैक्षिक मार्ग, करियर विकल्प तथा मानसिक-सामाजिक कल्याण के लिए आधार तैयार करते हैं; वर्तमान शैक्षिक परिदृश्य में बढ़ती प्रतिस्पर्धा, परीक्षा-केंद्रित पाठ्यक्रम और करियर-दबाव ने किशोरों में तनाव, असमंजस्य और आत्म-संदेह की घटनाओं को सामान्य कर दिया है, जिससे केवल बौद्धिक कौशल पर ध्यान देने से समस्या का समग्र समाधान संभव नहीं रह जाता, अतः यह शोध इस अंतर को भरने का प्रयास करेगा। समायोजन, जो गृह, विद्यालय, सामाजिक और भावनात्मक क्षेत्रों में व्यक्ति के अनुकूलन की क्षमता को दर्शाता है, विद्यार्थी के दैनिक कार्यों, कक्षा-संबंधी सहभागिता और तनाव-प्रबंधन को निर्धारित करता है; इसलिए उच्च माध्यमिक स्तर पर समायोजन और उपलब्धि-प्रेरणा के परस्पर सम्बन्धों का यह समेकित अध्ययन शैक्षिक नीति, शिक्षक अभ्यास और छात्र कल्याण के क्षेत्र में आवश्यक और समयोचित योगदान प्रदान करेगा।

समस्या कथन

उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के समायोजन का उनकी उपलब्धि अभिप्रेरणा पर प्रभाव

संक्रियात्मक परिभाषाएँ

समायोजन: प्रस्तुत शोध कार्य में समायोजन से तात्पर्य बहुआयामी मनोवैज्ञानिक प्रक्रिया से है जिसके अंतर्गत विद्यार्थी गृह, विद्यालय, सामाजिक एवं भावनात्मक संदर्भों में अपने व्यवहार को संतुलित एवं सामंजस्यपूर्ण बनाकर जीवन की परिस्थितियों से अनुकूलन करता है। प्रस्तुत शोध कार्य में समायोजन को मापने के लिए डॉ. आशुतोष कुमार द्वारा निर्मित सामाजिक समायोजन मापनी उपकरण का उपयोग किया गया है।

उपलब्धि अभिप्रेरणा: प्रस्तुत शोध पत्र में उपलब्धि अभिप्रेरणा से अभिप्राय यह है कि उपलब्धि अभिप्रेरणा एक मनोवैज्ञानिक प्रवृत्ति है जो विद्यार्थी को शैक्षिक एवं जीवनगत कार्यों में उत्कृष्टता प्राप्त करने, मानकों को पूरा करने तथा प्रतिस्पर्धात्मक परिस्थितियों में सफलता अर्जित करने हेतु सतत प्रयासरत रखती है। प्रस्तुत शोध कार्य में उपलब्धि अभिप्रेरणा को मापने के लिए प्रो. प्रतिभा देव एवं डॉ. आशा मोहन द्वारा निर्मित उपलब्धि अभिप्रेरणा मापनी उपकरण का उपयोग किया गया है।

उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थी: प्रस्तुत शोध कार्य में उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थी से तात्पर्य कक्षा ११ में अध्ययनरत विद्यार्थी जो दिल्ली के वैसे विद्यालयों में अध्ययन कार्य में संलग्न है जो एनसीईआरटी के पाठ्यपुस्तकों का अनुसरण करती है।

चर

प्रस्तुत शोध में स्वतंत्र चर के रूप में समायोजन एवं आश्रित चर के रूप में उपलब्धि अभिप्रेरणा को लिया गया है।

शोध उद्देश्य

- उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों में समायोजन के स्तर का अध्ययन करना।
- उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों में उपलब्धि अभिप्रेरणा के स्तर का अध्ययन करना।

शोध परिकल्पना

- उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों में समायोजन का स्तर का उच्च है।
- उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों में उपलब्धि अभिप्रेरणा का स्तर का उच्च है।

शोध विधि

प्रस्तुत शोध उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के समायोजन का उनकी उपलब्धि अभिप्रेरणा पर प्रभाव का विश्लेषण के अध्ययन हेतु वर्णनात्मक सर्वेक्षण विधि का उपयोग किया गया है।

जनसंख्या

प्रस्तुत शोध कार्य में राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसन्धान और प्रशिक्षण परिषद्, नई दिल्ली की पाठ्यपुस्तकों का अनुसरण करने वाली सभी उच्च माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत शैक्षणिक वर्ष २०२५-२०२६ के कक्षा 11 के विद्यार्थियों को जनसंख्या के रूप में सम्मिलित किया गया है।

न्यायदर्श तथा न्यायदर्श चयन विधि

प्रस्तुत शोध में प्रतिदर्श के चयन के लिए बहु-स्तरीय स्तरीकृत यादृच्छिक प्रतिदर्शन विधि का प्रयोग किया गया है। प्रतिदर्श चयन कार्य निम्नलिखित तीन स्तरों में पूर्ण किया गया:

प्रथम स्तर: जिला स्तर

प्रस्तुत शोध कार्य दिल्ली के कुल 16 शैक्षिक जिलों के सभी उच्च माध्यमिक विद्यालयों को सम्मिलित किया गया तथा प्रत्येक जिले को एक स्वतंत्र स्तर माना गया, जिससे सभी जिलों का समान प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया जा सके।

द्वितीय स्तर : विद्यालय स्तर

दिल्ली के प्रत्येक जिले से एक उच्च माध्यमिक विद्यालयों का चयन यादृच्छिक विधि द्वारा किया गया।

तृतीय स्तर : विद्यार्थी स्तर

प्रत्येक चयनित उच्च माध्यमिक विद्यालय में अध्ययनरत कक्षा 11 के कुल विद्यार्थियों की संख्या में से 20 प्रतिशत विद्यार्थियों का चयन अनुपातिक यादृच्छिक प्रतिदर्शन प्रविधि द्वारा किया गया।

इसप्रकार प्रस्तुत शोध में कुल 16 उच्च माध्यमिक विद्यालयों को सम्मिलित किया गया और प्रत्येक विद्यालय से कुल विद्यार्थियों के 20 प्रतिशत प्रतिदर्श के रूप में चयनित किया गया। प्रतिदर्श आकार का विवरण तालिका संख्या १.१ में प्रदर्शित किया गया है।

तालिका संख्या १.१:

प्रतिदर्श आकार का विवरण

क्र सं	जिला का विवरण	वि द्या ल यों की सं ख्या	चयनित विद्याल यों में कुल विद्यार्थि यों की संख्या	प्रतिद र्श के रूप में चयनि त बाल कों की संख्या	प्रतिदर्श के रूप में चयनित बालिका ओं की संख्या	प्रतिदर्श आकार (प्रत्येक चयनित विद्याल यों में कुल विद्यार्थि यों का २०%)
१.	पूरब	१२१	१११	०९	१३	२२
२.	उत्तर-पूर्व -I	५०	१६६	३३	-	३३
३.	उत्तर	६५	१०४	-	२१	२१
४.	उत्तर पश्चिम ए	१२ २	१९५	-	३९	३९
५.	उत्तर पश्चिम बी-१	८६	११९	२४	-	२४
६.	पश्चिम ए	५९	१६४	३३	-	३३
७.	पश्चिम बी	८८	९५	१९	-	१९
८.	दक्षिण पश्चिम ए	३७	२००	-	४०	४०
९.	दक्षिण पश्चिम बी-I	५१	१४७	२९	-	२९
१०	दक्षिण	७२	१२३	१०	१५	२५
११	नई दिल्ली	३	३९	३	५	८
१२	केन्द्रीय	४२	१३२	२६	-	२६
१३	दक्षिण पूर्व	१० ०	२०७	-	४१	४१
१४	उत्तर पूर्व -II	९२	१५८	-	३२	३२
१५	उत्तर पश्चिम बी-II	४९	२०१	१७	२३	४०
१६	दक्षिण पश्चिम बी-II	४९	१५२	-	३०	३०
कुल प्रतिदर्श				**२०३**	**२५९**	**४६२**

१.९ शोध में प्रयुक्त उपकरण

प्रस्तुत शोध कार्य में प्रयुक्त चर समायोजन और उपलब्धि अभिप्रेरणा है। अतएव प्रयुक्त चरों के आधार पर शोधार्थी द्वारा मानकीकृत समायोजन मापनी और उपलब्धि अभिप्रेरणा मापनी का उपयोग किया गया है जिसे निम्नलिखित तालिका संख्या १.२ में प्रदर्शित किया गया है –

तालिका संख्या १.२:

चरों के आधार पर शोध उपकरण, प्रकाशक, भाषा, विश्वसनीयता एवं वैधता का विवरण

क्र. सं.	चर	प्रयुक्त शोध उपकरण	लेखक	प्रकाशक	भाषा	विश्वसनीयता एवं वैधता
१.	समायोजन	सामाजिक समायोजन मापनी	डॉ. आशुतोष कुमार	नेशनल साइकोलॉजिकल कारपोरेशन, आगरा	English	टेस्ट-रीटेस्ट विधि = ०.८५ विभक्तार्द्ध विधि = ०.८८ समवर्ती वैधता
२.	उपलब्धि अभिप्रेरणा	उपलब्धि अभिप्रेरणा मापनी	प्रो. प्रतिभा देव एवं डॉ.	नेशनल साइकोलॉजिकल कारपोरेशन,	English	टेस्ट-रीटेस्ट विधि = ०.६९ समवर्ती

			आशा मोहन	आगरा		वैधता

१.१० आँकड़े संकलन करने की प्रक्रिया

प्रस्तुत शोध कार्य नई दिल्ली में स्थित उच्च माध्यमिक विद्यालय के कक्षा ११ के सत्र २०२५-२०२६ के विद्यार्थियों पर पूर्ण किया गया है। शोध कार्य से संबंधित आँकड़े संकलन करने से पूर्व उच्च माध्यमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापकों से अनुमति ली गयी तत्पश्चात कक्षा ११ के विद्यार्थियों पर सामाजिक समायोजन मापनी एवं उपलब्धि अभिप्रेरणा मापनी को प्रशासित किया गया। शोध उपकरण को प्रशासित करने से पूर्व शोध कार्य के उद्देश्यों से विद्यार्थियों को अवगत कराया गया एवं उन्हें यह आश्वासन दिया गया कि उनसे प्राप्त प्रतिक्रिया को केवल शोध कार्य हेतु उपयोग किया जायेगा। शोध कार्य में प्रयुक्त सभी उपकरणों सामाजिक समायोजन मापनी एवं उपलब्धि अभिप्रेरणा मापनी की सहायता से एकत्रित किये गए आंकड़ों का फलांकन, उपकरण नियमावली के द्वारा किया गया। आंकड़ों का फलांकन करने के दौरान यह पाया गया कि कुल ३३ विद्यार्थियों ने सामाजिक समायोजन मापनी एवं उपलब्धि अभिप्रेरणा मापनी उपकरण को पूर्ण रूप से नहीं भरा है। अतएव शोधार्थी ने कुल ४२९ विद्यार्थियों से प्राप्त प्रतिक्रिया के आधार पर आंकड़ों का विश्लेषण किया है।

१.११ आंकड़ों का विश्लेषण

प्रथम शोध उद्देश्य से संबंधित प्रथम परिकल्पना, उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों में समायोजन का स्तर सार्थक रूप से उच्च है। शोध परिकल्पना की जांच हेतु डॉ. आशुतोष कुमार, प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, स्नातकोत्तर शिक्षा विभाग एवं अधिष्ठाता, शिक्षा विभाग, पटना विश्वविद्यालय, द्वारा निर्मित शोध उपकरण सामाजिक समायोजन मापनी में सामाजिक समायोजन के स्तर की व्याख्या के लिए दिए गए सारणी के आधार पर आंकड़ों का विश्लेषण किया गया है। शोध उपकरण में दिए गए सारणी को निम्नलिखित तालिका संख्या ४.१ में दर्शाया गया है:

तालिका संख्या १.३:

सामाजिक समायोजन के स्तर की व्याख्या के लिए मानदंड

क्रम संख्या	प्रतिशत रैंक की सीमा	सामाजिक समायोजन का स्तर
१.	$P_{९०}$ +	अत्यधिक उच्च
२.	$P_{७६}$ से $P_{८९}$	उच्च
३.	$P_{६१}$ से $P_{७५}$	औसत से ऊपर
४.	$P_{३१}$ से $P_{६०}$	औसत
५.	$P_{२१}$ से $P_{३०}$	औसत से निम्न
६.	$P_{११}$ से $P_{२०}$	निम्न
७.	$P_{१०}$ और उससे कम	अति निम्न

शोधार्थी ने उपर्युक्त तालिका संख्या १.३ के आधार पर संकलित ४२९ आँकड़ों के आधार पर प्रतिशत रैंक निकाल कर सामाजिक समायोजन का स्तर में वर्गीकृत किया है जिसे निम्नलिखित तालिका संख्या १.४ में दर्शाया गया है:

तालिका संख्या १.४ :

मानदंड के आधार पर सामाजिक समायोजन स्तर की व्याख्या

क्रम संख्या	प्रतिशत रैंक की सीमा	सामाजिक समायोजन का स्तर	प्राप्तांक	बालकों की संख्या (प्रतिशत)	बालिकाओं की संख्या (प्रतिशत)	कुल विद्यार्थियों की संख्या (प्रतिशत)
१.	$P_{९०}$ +	अत्यधिक उच्च	७३ और उससे अधिक	१९ (४.४३)	२६ (६.०६)	४५ (१०.४५)
२.	$P_{७६}$ से $P_{८९}$	उच्च	५८ – ७२	२४ (५.५९)	३४ (७.९३)	५८ (१३.५२)
३.	$P_{६१}$ से $P_{७५}$	औसत से ऊपर	४८ – ५७	३३ (७.६९)	३६ (८.३९)	६९ (१६.०८)
४.	$P_{३१}$ से $P_{६०}$	औसत	३१ – ४७	६१ (१४.२२)	६५ (१५.१५)	१२६ (२९.३७)
५.	$P_{२१}$ से $P_{३०}$	औसत से निम्न	२७ – ३०	२३ (५.३६)	२८ (६.५३)	४७ (१०.९६)
६.	$P_{११}$ से $P_{२०}$	निम्न	२१ – २७	१३ (३.०३)	२८ (६.५३)	४१ (९.५६)
७.	$P_{१०}$ और उससे कम	अति निम्न	२० और उससे कम	१८ (४.२०)	२५ (५.८२)	४३ (१०.०२)
कुल विद्यार्थियों की संख्या (प्रतिशत)				१९१ (४४.५२)	२३८ (५५.४८)	१००

प्रस्तुत तालिका संख्या १.४ से यह स्पष्ट होता है कि उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों का सामाजिक समायोजन विभिन्न स्तरों पर वितरित है। विद्यार्थियों की सर्वाधिक संख्या औसत स्तर १२६ है जो कुल विद्यार्थियों का २९.३७% है, जो यह इंगित करती है कि अधिकांश विद्यार्थी सामान्य परिस्थितियों में संतुलित सामाजिक व्यवहार को प्रदर्शित करते हैं। यह स्थिति शैक्षिक संलग्नता के लिए आधारभूत है, क्योंकि इस स्तर पर एक कक्षा-कक्ष में अत्यधिक विद्यार्थी होते हैं जो समूह गतिविधियों में भाग लेने, कक्षा में सहयोगात्मक व्यवहार तथा शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया में सक्रिय बने रहने की प्रवृत्ति रखते हैं। वहीं उच्च एवं अत्यधिक उच्च स्तर पर कुल २४.०१% विद्यार्थी पाए गए हैं जो यह इंगित करता है कि विद्यार्थियों का सामाजिक समायोजन और आत्मविश्वास दोनों अपेक्षाकृत अधिक विकसित हैं। ऐसे विद्यार्थी अपनी उपलब्धि अभिप्रेरणा को उच्च स्तर पर बनाए रखते हैं और शैक्षिक संलग्नता में सक्रिय रहते हैं। तालिका संख्या १.४ में इन श्रेणियों में बालिकाओं का प्रतिशत १३.९९ हैं जो कि बालकों के प्रतिशत १०.०२ से अधिक है, जो यह संकेत करता है कि बालिकाएँ सामाजिक परिस्थितियों में अधिक संवेदनशीलता, सहयोग और आत्मविश्वास को प्रदर्शित करती हैं। बालिकाओं की यह प्रवृत्ति उनकी शैक्षिक उपलब्धि अभिप्रेरणा को सकारात्मक रूप से प्रभावित करती है। वहीं औसत से ऊपर के स्तर पर १६.०८% विद्यार्थी पाए गए हैं जो सामान्य स्तर से बेहतर सामाजिक समायोजन रखने वाले विद्यार्थियों के समूहों को दर्शाता है। ऐसे विद्यार्थी आत्मविश्वास में स्थिर रहते हुए शैक्षिक संलग्नता को बढ़ावा देते हैं, किंतु अत्यधिक उच्च स्तर तक नहीं पहुँच पाते हैं।

वहीं औसत से निम्न, निम्न और अति निम्न स्तर पर कुल ३०.५४ % विद्यार्थी पाए गए हैं जो यह दर्शाता है कि लगभग एक-तिहाई विद्यार्थी सामाजिक समायोजन की दृष्टि से कमजोर स्थिति में हैं। इस समूह में भी बालिकाओं का प्रतिशत १७.९४% बालकों का

प्रतिशत १२.५९ से अधिक है, जो यह इंगित करता है कि सामाजिक समायोजन की चुनौतियाँ बालिकाओं में अपेक्षाकृत अधिक परिलक्षित होती हैं।

प्रथम शोध उद्देश्य से संबंधित द्वितीय परिकल्पना, उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों में उपलब्धि अभिप्रेरणा का स्तर सार्थक रूप से उच्च है। शोध परिकल्पना की जांच हेतु प्रो. प्रतिभा देव, प्रोफेसर, एवं विभागाध्यक्ष, शिक्षा विभाग, मुंबई विश्वविद्यालय, एवं डॉ. आशा मोहन, प्रोफेसर, शिक्षा विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ द्वारा निर्मित शोध उपकरण उपलब्धि अभिप्रेरणा मापनी में उपलब्धि अभिप्रेरणा के स्तर की व्याख्या के लिए दिए गए सारणी के आधार पर आंकड़ों का विश्लेषण किया गया है। शोध उपकरण में दिए गए सारणी को निम्नलिखित तालिका संख्या १.५ में दर्शाया गया है:

तालिका संख्या १.५:

उपलब्धि अभिप्रेरणा स्तर की व्याख्या के लिए मानदंड

क्रम संख्या	Z-प्राप्तांकों का प्रसार	उपलब्धि अभिप्रेरणा स्तर
१.	+२.०१ एवं अधिक	अत्यधिक प्रेरित
२.	+१.२६ से +२.००	उच्च प्रेरणा
३.	+०.५१ से +१.२५	औसत से ऊपर प्रेरणा
४.	-०.५० से +०.५०	औसत प्रेरणा
५.	-१.२५ से -०.५१	औसत से कम प्रेरणा
६.	-२.०० से -१.२६	निम्न प्रेरणा
७.	-२.०१ एवं कम	अत्यंत निम्न प्रेरणा

शोधार्थी ने उपर्युक्त तालिका संख्या १.५ के आधार पर संकलित ४२९ आँकड़ों के आधार पर प्राप्तांक एवं z-स्कोर निकाल कर उपलब्धि अभिप्रेरणा स्तर में वर्गीकृत किया है जिसे निम्नलिखित तालिका संख्या १.६ में दर्शाया गया है:

तालिका संख्या १.६

मानदंड के आधार पर उपलब्धि अभिप्रेरणा स्तर की व्याख्या

क्रम संख्या	Z-प्राप्तांकों का प्रसार	उपलब्धि अभिप्रेरणा स्तर	बालकों की संख्या (प्रतिशत)	बालिकाओं की संख्या (प्रतिशत)	कुल विद्यार्थियों की संख्या (प्रतिशत)
१.	+२.०१ एवं अधिक	अत्यधिक प्रेरित	०	०	०
२.	+१.२६ से +२.००	उच्च प्रेरणा	२५ (५.८३)	३३ (७.६९)	५८ (१३.५२)
३.	+०.५१ से +१.२५	औसत से ऊपर प्रेरणा	४१ (९.५६)	५८ (१३.५२)	९९ (२३.०८)
४.	-०.५० से +०.५०	औसत प्रेरणा	४६ (१०.७२)	७३ (१७.०२)	११९ (२७.७४)
५.	-१.२५ से -०.५१	औसत से कम प्रेरणा	४७ (१०.९६)	५४ (१२.५९)	१०१ (२३.५४)
६.	-२.०० से -१.२६	निम्न प्रेरणा	२६ (६.०६)	१७ (३.९६)	४३ (१०.०२)
७.	-२.०१ एवं कम	अत्यंत निम्न प्रेरणा	६ (१.४०)	३ (०.७०)	९ (२.१)
कुल विद्यार्थियों की संख्या (प्रतिशत)			१९१ (४४.५२)	२३८ (५५.४८)	४२९ (१००)

प्रस्तुत तालिका संख्या १.६ के आधार पर यह स्पष्ट होता है कि उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा विभिन्न स्तरों पर वितरित है और जिसका सीधा संबंध उनके समायोजन एवं आत्मविश्वास से है। तालिका १.६ में विद्यार्थियों की सर्वाधिक संख्या औसत प्रेरणा स्तर (२७.७४%) पर पाई गई है, जो यह इंगित करती है कि अधिकांश विद्यार्थी सामान्य परिस्थितियों में संतुलित उपलब्धि अभिप्रेरणा प्रदर्शित करते हैं जो कि औसत स्तर पर स्थित विद्यार्थी नियमित अध्ययन, कक्षा सहभागिता और समूहगत गतिविधियों में अपेक्षाकृत स्थिर रहते हैं। वहीं औसत से ऊपर प्रेरणा स्तर पर (२३.०८%) विद्यार्थी पाए गए हैं, जिनमें बालिकाओं (१३.५२%) का प्रतिशत है जो कि बालकों (९.५६%) से अधिक है। यह समूह उन विद्यार्थियों का प्रतिनिधित्व करता है जिनकी उपलब्धि अभिप्रेरणा अपेक्षाकृत अधिक है और शैक्षिक संलग्नता में सक्रिय रूप से भागीदारी करते हैं। उच्च प्रेरणा स्तर पर (१३.५२%) विद्यार्थी पाए गए हैं, जिनमें बालिकाओं का प्रतिशत (७.६९%) है जो कि बालकों के प्रतिशत (५.८३%) से अधिक है, जो यह दर्शाती है कि बालिकाएँ उपलब्धि अभिप्रेरणा के उच्च स्तर पर अपेक्षाकृत अधिक अग्रसर हैं, जो कि उनके आत्मविश्वास और सामाजिक समायोजन की सकारात्मक दिशा को इंगित करता है।

वहीं औसत से कम, निम्न और अत्यंत निम्न प्रेरणा स्तर पर कुल (३५.६६%) विद्यार्थी पाए गए हैं जो यह दर्शाता है कि लगभग एक-तिहाई विद्यार्थी उपलब्धि अभिप्रेरणा की दृष्टि से कमजोर स्थिति में हैं। इस प्रकार, औसत से कम प्रेरणा स्तर पर बालकों का प्रतिशत (१०.९६%) की संख्या बालिकाओं की संख्या (१२.५९%) से थोड़ी कम है, किंतु निम्न और अत्यंत निम्न स्तर पर बालकों का प्रतिशत बालिकाओं से अधिक है।

निष्कर्ष

अतः यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि विद्यार्थियों के सामाजिक समायोजन को सुदृढ़ करना और उपलब्धि अभिप्रेरणा को बढ़ावा देना शिक्षा-नीति, विद्यालय प्रबंधन और शिक्षक-प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए अत्यंत आवश्यक है। इस शोध के परिणाम शिक्षा मनोविज्ञान के क्षेत्र में योगदान देने के साथ-साथ विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए व्यावहारिक दिशा-निर्देश भी प्रदान करते हैं।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

- **कुमार, जे. (2023).** माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर समायोजन के प्रभाव का अध्ययन. *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ एजुकेशन एंड साइंस रिसर्च रिव्यु*, 10(4), 40–42.
- **भार्गव, एस., एवं भारद्वाज, एम. (२०१८)**. विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा का उनके समायोजन पर प्रभाव: एक अध्ययन. *रिव्यु ऑफ़ रिसर्च*, 7(11), 1–3.
- **यादव, आर. एस., एवं मेघवाल, पी. (२०२५)** विद्यालय वातावरण, उपलब्धि अभिप्रेरणा एवं समायोजन पर विद्यालय प्रकार का प्रभाव: एक तुलनात्मक मनो-शैक्षिक विश्लेषण. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ क्रिएटिव रिसर्च थॉट्स, 13(7), 646–649.
- **सिंह, एम., एवं मिश्रा, पी. (२०२१).** रीवा जिले के माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत छात्र-छात्राओं के मध्य

उपलब्धि अभिप्रेरणा का तुलनात्मक अध्ययन. *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ एडवांस्ड अच्देमिक स्टडीज*, 3(3), 247–250.

- **सिंह, यू ., एवं कुंवर, एन. (२०२०).** किशोरावस्था में शालेय उपलब्धि अभिप्रेरणा का प्रभाव. *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ होम साइंस,* 6(2), 435–436.